महापौर-उपमहापौर और पार्षदों समेत 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हैरिटेज नगर निगम जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने माणक चौक थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। हैरिटेज नगर निगम जयपुर की महापौर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर, उपमहापौर असलम फारूकी और करीब एक दर्जन पार्षदों के खिलाफ अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने माणक चौक थाने में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है। राजेन्द्र वर्मा ने अपनी शिकायत में इन सभी लोगों पर उन्हें बंधक बनाने, जाति सूचक व अपशब्द कहने और नगर निगम की टैंडर पत्रावली पर जबरदस्ती हस्ताक्षर करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है।

माणक चौक थाने में हैरिटेज नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने एफ.आई.आर. दर्ज कराई है कि, गत 16 जून को वह अपने चैंबर में काम कर रहे थे। इसी दौरान उनके पास मैसेज आया कि मेयर मुनेश गुर्जर बुला रही हैं। इस पर उन्होंने अपने कार्मिक को कहा कि मेयर मैडम को मैसेज कर दें कि कुछ जरूरी फाइल हैं, उन्हें निपटाकर 15 मिनट में आ रहा हूं। करीब 5 मिनट बाद कुछ पार्षद और उनके साथ आए बाहरी लोग जबरदस्ती मेरे चैंबर में घुस आए। उन्होंने मुझसे कहा कि, टैंडर की फाइल (बीट पत्रावली) पर हस्ताक्षर क्यों नहीं किए? वे लोग मुझे जबरन चैंबर से उठा कर मेयर मुनेश गुर्जर के कमरे में ले गए। वहां पर महापौर पार्षदों और बाहरी लोगों के सामने ही मुझे अपशब्द कहते हुए बोलीं कि, तुमने बीट की पत्रावली पर साइन क्यों नहीं किए? उन्होंने 30 मई की प्रोसिडिंग पर मुझसे जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाने चाहे। उन्होंने गालीगलौच व जातिसूचक शब्दों में धमकाते हुए कहा कि, जब तक इस फाइल पर हस्ताक्षर नहीं करोगे, यहां से बाहर नहीं जा सकते। कुछ पार्षदों व असमाजिक तत्वों ने कमरे के गेट के आगे टेबल लगाकर रास्ता बंद कर दिया।

इस पर मैंने मेयर मैडम को बताया कि 30 मई को मैं आकस्मिक अवकाश पर था, इस कारण मैं इस पत्रावली पर हस्ताक्षर नहीं कर सकता। मेरे कई बार समझाने के बावजूद मेयर लगातार टैंडर फाइल पर हस्ताक्षर करने का दबाव बनाती रही। शाम को महापौर के ऑफिस में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी भी आए, मैंने उन्हें भी अपना पक्ष बता दिया था। मंत्री के जाने के बाद मेयर के पति सुशील गुर्जर ने भी मुझे जातिसूचक शब्दों में अपशब्द कहते हुए फाइल पर साइन करने के लिए धमकाया। देर शाम को जब मैंने मौका देखकर महापौर के ऑफिस से बाहर निकलकर अपने घर जाने की कोशिश की तो पार्षद उमरदराज, अंजलि ब्रह्मभट, आयशा सिद्धीकी, राबिया गुडएज, सुनिता मावर और बाकी पार्षदों ने मुझे घेर लिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बीचबचाव कर रात 9 बजे मुझे घर के लिए रवाना किया। इस घटना का वीडियो मोहम्मद अख्तर, पार्षद पति कमाल खान, अरविंद मेठी, बसंत असवाल, नीरज अग्रवाल और राबिया गुडऐज के मोबाइल फोन में कैद है। यही वीडियो फुटेज हैरिटेज नगर निगम के सी.सी.टी.वी. कैमरों में भी दर्ज है।

- वर्मा का आरोप है कि महापौर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर, उपमहापौर असलम फारूकी व एक दर्जन पार्षदों ने उन्हें बंधक बनाया, जाति सूचक अपशब्द कहे और टैंडर की फाइल पर जबरदस्ती हस्ताक्षर करवाने की कोशिश की
- वहीं दूसरी ओर महापौर मुनेश गुर्जर का कहना है कि राजेन्द्र वर्मा ने जो भी आरोप लगाए हैं, सभी बेबुनियाद हैं। मैंने या फिर किसी भी दूसरे पार्षद ने इस तरह के शब्दों का उपयोग नहीं किया था। बल्कि, एडिशनल कमिश्नर ने ही हमें डराया-धमकाया था। वर्मा सिर्फ अपनी गलती छुपाने के लिए पार्षदों को बिना बात बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि राजेन्द्र वर्मा ने इन तमाम लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने, बंधक बनाने, धमकाने, जबरन फाइलों पर साइन कराने के लिए बदसलूकी और जाति सूचक शब्दों का इस्तेमाल कर प्रताड़ित करने का मामला दर्ज कराया है। वर्मा की शिकायत पर माणक चौक थाना पुलिस ने हेरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर, उप-महापौर अस्लम फारुखी, पार्षद उमर दराज, नीरज अग्रवाल, शफीक. कुरैशी, सुनिता मावर, राबिया गुडएज, अंजलि ब्रह्मभाट, पार्षद पति मोहम्मद अस्तर, आयशा सिद्दीकी, फरीद कुरैशी, फूलचंद, पार्षद के रिश्तेदार शाकिर, महापौर के पति सुशील गुर्जर और बसन्त असवाल के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए माणक चौक सहायक पुलिस आयुक्त (ए.सी.पी.) हेमंत जाखड़ इसकी जांच कर रहे हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने खुद के साथ हुई घटना से जुड़े कुछ वीडियो फुटेज भी पुलिस को दिए हैं। हैरिटेज नगर निगम के कार्यालय में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे के फुटेज भी उपलब्ध कराए गए है। ए.सी.पी. जाखड़ ने इस सिलसिले में राजेन्द्र वर्मा के बयान ले लिए हैं। अब पुलिस महापौर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर समेत एक दर्जन से अधिक पार्षदों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। वहीं दूसरी ओर इस पूरे मामले के बीच महापौर मुनेश गुर्जर ने अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा के तमाम आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा कि वर्मा ने जो भी आरोप लगाए हैं, सभी बेबुनियाद हैं। मैंने या फिर किसी भी दूसरे पार्षद ने इस तरह के शब्दों का उपयोग नहीं किया था। बल्कि, एडिशनल कमिश्नर ने ही हमें डराया-धमकाया था। जिस वीडियो का हवाला देकर शिकायत दर्ज करवाई गई है, उस वीडियो में भी वर्मा हंसते हुए नजर आ रहे हैं। वर्मा सिर्फ अपनी गलती छुपाने के लिए पार्षदों को बिना बात बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। सत्य की नाव डगमग हो सकती है.. हिल सकती है.. लेकिन, डूब नहीं सकती।

ज्ञात रहे कि जयपुर नगर निगम हैरिटेज में पिछले दिनों एडिशनल कमिश्नर राजेंद्र वर्मा के निलंबन की मांग को लेकर महापौर मुनेश गुर्जर पार्षदों के साथ धरना दे रही थीं। जिसमें अस्थाई सफाई कर्मचारियों की फाइल पर साइन करने की मांग को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मेयर-पार्षदों से मिलकर इस धरने को खत्म करवाया था। लेकिन, अब एडिशनल कमिश्नर राजेंद्र वर्मा ने इस मामले पर मुकदमा दर्ज कराया है।

आयुक्त से विवाद पर ग्रेटर मेयर डॉ. सौम्या व 3 पार्षद निलंबित किये थे, फिर हैरिटेज में सरकार चुप क्यों?

जबकि हैरिटेज निगम के अति. आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने भी सरकार को बाकायदा लिखित शिकायत भेजी थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गहलोत सरकार ने जून-2021 में जयपुर ग्रेटर के तत्कालीन आयुक्त यज्ञमित्र सिंह देव के साथ विवाद के बाद महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और तीन पार्षदों अजय सिंह, पारस जैन और शंकर शर्मा को निलंबित किया। यहां तक कि उनके खिलाफ न्यायिक जांच तक बैठा दी थी। दो साल बाद अब ऐसा ही मामला जयपुर हैरिटेज निगम में महापौर मुनेश गुर्जर और अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा के बीच हुआ है। लेकिन अब कांग्रेस सरकार महापौर-उपमहापौर और पार्षदों के खिलाफ इसलिए कार्रवाई नहीं कर रही है, क्योंकि वे कांग्रेस पार्टी के है। ऐसी चर्चाएं राजनैतिक गलियारों में इन दिनों छायी हुई है। इन चर्चाओं का प्रमुख कारण यह है कि शुक्रवार शाम को हैरिटेज निगम के अति. आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने महापौर मुनेश गुर्जर, उनके पति सुशील गुर्जर, उपमहापौर असलम फारूकी और करीब एक दर्जन पार्षदों के खिलाफ राजकार्य में बाधा, बंधक बनाने, जातिसूचक अपशब्द कहने और जबरदस्ती टैंडर की फाइलों पर हस्ताक्षर करने जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए माणक चौक थाने में मुकदमा तक दर्ज करवा दिया है।

- ज्ञात रहे कि जून-2021 में तत्कालीन ग्रेटर निगम कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ विवाद पर महापौर डॉ. सौम्या और तीन पार्षद अजय सिंह, पारस जैन और शंकर शर्मा हुए थे निलंबित
- अब हैरिटेज निगम के अति. आयुक्त राजेन्द्र वर्मा ने भी महापौर-उपमहापौर व पार्षदों समेत 15 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया है, लेकिन विवाद के 10 दिन बाद भी सरकार कार्रवाई के नाम पर चुप्पी साधे बैठी है।

मजेदार बात यह है कि जून-2021 में जब जयपुर ग्रेटर निगम के तत्कालीन आयुक्त यज्ञ मित्र सिंह देव ने महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर और पार्षद पारस जैन, अजय सिंह चौहान और शंकर शर्मा पर अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए सरकार को शिकायती पत्र भेजा था। जिस पर नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने आनन-फानन में कार्रवाई करते हुए मेयर डॉ. सौम्या व तीनों पार्षदों को निलंबित कर दिया था। साथ ही इन चारों लोगों के खिलाफ न्यायिक जांच भी शुरू करवा दी थी। जिसे चुनौती देते हुए डॉ. सौम्या गुर्जर व पार्षदों ने अदालत का दरवाजा खटखटाया और पुनः अपनी कुर्सी हासिल की।

ग्रेटर निगम के उस घटनाक्रम के ठीक 2 वर्ष बाद अब ऐसा ही मामला कांग्रेस के सत्ताधारी जयपुर हैरिटेज निगम में सामने आया है, लेकिन यहां कांग्रेस पार्टी की महापौर-उपमहापौर और पार्षदों को निलंबित करने के बजाय यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल और राज्य सरकार ने पूरी तरह से चुप्पी साध ली। जबकि राजेन्द्र वर्मा ने भी घटनाक्रम के तुरंत बाद राज्य सरकार को शिकायती पत्र लिख दिया था। यहां तक कि राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद ने भी राजेन्द्र वर्मा के साथ अभद्रता मामले को लेकर नाराजगी जताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को शिकायती पत्र भेजा था, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों से अभद्रता के मामले को गंभीरता से लेने, इस घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करवाने और अधिकारियों को सुरक्षा देने की मांग थी। इसके बावजूद राज्य सरकार ने इस मामले में कार्रवाई करने की कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई।

बताया जा रहा है कि नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त राजेन्द्र वर्मा की ओर से मेयर-डिप्टी मेयर सहित पार्षदों के खिलाफ केस दर्ज कराने के बाद अब मेयर मुनेश गुर्जर ने भी कानूनी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इस मामले में अब मेयर भी केस दर्ज करवा सकती है, इसे लेकर कानूनी राय लेना शुरू कर दिया है।

मेयर मुनेश गुर्जर का कहना है कि मामले को देख रहे है, किस-किस के नाम से एफआईआर दर्ज करवाई गई है, इसे लेकर वकीलों से राय लेकर मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

डिप्टी मेयर असलम फारूखी का कहना है कि पुलिस जांच में दूध का दूध और पानी का पानी..सब साफ हो जाएगा। कौन झूठा है, यह समाने आ जाएगी, जब कोई आदमी 5 दिन बाद केस दर्ज करवाता है, गलत इरादा है। हमारे पास भी वीडियो है, सब जांच हो जाएगी। राजेन्द्र वर्मा के तमाम आरोप झूठे है। हमने सरकार को लिखकर दे दिया है, इस मामले की राज्य सरकार जांच करवा रही है।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मुख्यमंत्री का पैर फ्रैक्चर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पैर में फ्रैक्चर होने के बाद गुरूवार को उन्हें इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल लाया गया।

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पैर में फ्रैक्चर होने के बाद उन्हें पट्टा बांधा गया है। उनके पैर में चोट लगने के बाद इलाज के लिए सवाई मानसिंह हॉस्पिटल लाया गया है। दरअसल कमरे में जाते समय पैर में कोई नुकीली चीज चुभने के बाद मुख्यमंत्री का पैर मुड़ गया था, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए एसएमएस हॉस्पिटल लाया गया।

- कमरे में जाते समय नुकीली चीज चुभने से मुड़ा था पैर

चोट लगने पर उन्हें एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज करवाया गया। मुख्यमंत्री के साथ कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पीएचईडी मंत्री महेश जोशी समेत अन्य नेता भी एसएमएस अस्पताल पहुंचे हैं।

एसएमएस इमरजेंसी में पहुंचने पर सबसे पहले उनकी एक्सरे, ईसीजी समेत अन्य रूटीन जांचें की गई हैं। बताया जा रहा है कि पैर के नाखून में चोट आई है, जो किसी नुकीली चीज के चुभने से लगी। इस दौरान मुख्यमंत्री का पैर भी मुड़ गया, जिससे उनको चलने में भी तकलीफ हो रही थी।

इलाज के बाद सीएम ने ट्वीट कर बताया कि गुरुवार को एक बैठक के बाद आवास पर अपने कक्ष में जाते समय पैर फिसलने से दोनों पैर के अंगूठों में चोट आई है। गहलोत ने लिखा कि एसएमएस अस्पताल में प्रारम्भिक इलाज के बाद आवास पर आ गया हूं। फ्रेक्चर होने के कारण डॉक्टरों की सलाह पर कुछ दिन आवास से ही कार्य जारी रखूंगा।

राघव शर्मा ने सादगी से मनाया अपना जन्मदिन

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर के जुझारू, युवा सोच के साथ आगे बढ़ने वाले जिला अध्यक्ष राघव शर्मा ने राजा पार्क की स्थित भाटिया भवन में सैंकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ सादगी से अपना जन्मदिन मनाया। जिला अध्यक्ष के जन्मदिन का कार्यक्रम सुबह से ही प्रारंभ होकर देर रात तक चला। सुबह 6 बजे अध्यक्ष ने गौशाला पहुंच गायों को चारा और गुड़ खिलाकर प्रारंभ किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष तारकेश्वर मंदिर, गोविंददेवजी के दर्शन कर बालाश्रम और वृद्धआश्रम में सेवा दी।

कोई नया संक्रमित नहीं मिला

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को भी लगातार दूसरे दिन किसी भी जिले में कोई भी नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। इससे पहले बुधवार को भी कोई नया रोगी नहीं पाया गया था।

'सही और सटीक आंकड़े ही हैं सतत विकास का आधार'

- 17वें सांख्यिकी दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जयपुर, (कासं)। महान सांख्यिकीविद् प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस की 130वीं जयंती के मौके पर आयोजित 17वें सांख्यिकी दिवस के मौके पर जयपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। विद्याधर नगर स्थित आरवाईएमपी भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) के स्वतंत्र निदेशक सीताराम अग्रवाल ने की।

सांख्यिकी अधिकारियों को संबोधित करते हुए अग्रवाल ने कहा कि सही एवं सटीक आंकडे ही देश-प्रदेश के सतत विकास का आधार है। राजस्थान सरकार का आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग इस दिशा में बेहतरीन काम कर रहा है यही कारण है कि विभाग द्वारा तैयार किये गए आंकड़ो की बुनियाद पर ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की जनता एवं उद्योगपतियों के लिए एक से बढ़कर एक योजनाएं लागू की हैं।

उन्होंने महंगाई राहत कैंप की सफलता में सांख्यिकी विभाग के अधिकरियों, कर्मचारियों के साथ-साथ राजीव गांधी युवा मित्रों की भूमिका को भी बेहद अहम बताया और कहा कि महंगाई राहत कैंपों में अधिकांश परिवारों ने राजस्थान सरकार की 10 बड़ी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। महंगाई राहत कैंप के सफल एवं सुचारू संचालन कर्मचारियों एवं अधिकारियों की मेहनत एवं समर्पण का परिणाम है।

हम सब एक साथ चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी : डोटासरा

जयपुर, (का.प्र.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री मोदी और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा है कि राहुल गांधी जैसा नेता ही देश के मुद्दे के लिए चार हजार किलोमीटर यात्रा निकाल सकता है। यह मोदी नहीं कर सकते, ये कायर लोग हैं। ये झूठ बोल सकते हैं, बेईमानी कर सकते हैं, गुमराह कर सकते हैं, भाई को भाई से लड़ा सकते हैं, संविधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर सकते हैं, लेकिन ये कांग्रेस की आइडियोलॉजी का मुकाबला नहीं कर सकते।

- 'बीजेपी के नेता आपस में एक-दूसरे को निपटाने में लगे, इनको जनता की नहीं, कुर्सियों की चिंता'

पीसीसी में मीडिया से बात करते हुए डोटासरा ने कहा कि इनका नकाब उतर चुका है। कभी कोई बीजेपी नेता किसी का माइक खींच रहा है, कोई किसी पर तंज कस रहा है। बीजेपी के नेता आपस में एक दूसरे को निपटाने में लगे हैं। इनको जनता की नहीं, कुर्सियों की चिंता है। राजस्थान की जनता सब देख रही है। हमारी सरकार में इस बार अच्छे काम और फैसले हुए हैं इससे जनता खुश है।

डोटासरा ने कहा कि हमारे यहां कोई झगड़ा नहीं है। हम सब एक हैं। दिल्ली में खड़गे के साथ बैठकर सब बातें हो गईं। वेणुगोपालजी का बयान आया कि सब साथ में है तो उसके बाद में कोई बात बची नहीं है। हम सब एक हैं और चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, हम चुनाव जीतेंगे। सरकार ने अच्छा काम किया है। कर्नाटक में जिस तरीके से हम चुनाव जीते, हिमाचल में हम जीते, उसी तरह राजस्थान जीतेंगे।

दिव्यांगजनों के उत्पादों की ब्रांडिंग कर उनके हुनर को प्रोत्साहन दिया जाए : राज्यपाल

राजधानी जयपुर के जवाहर कला केंद्र में दिव्य कला मेला का शुभारंभ गुरूवार को राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया। इस मौके पर केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार और जयपुर सांसद रामचरण बोहरा भी मौजूद रहे।

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के जवाहर कला केंद्र में दिव्य कला मेला का आज आगाज हुआ। मेले का शुभारंभ राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार, जयपुर के सांसद रामचरण बोहरा की गरिमामयी उपस्थिति में किया। इस सात दिवसीय दिव्य कला मेला का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल मिश्र ने कहा कि दिव्यांगजन को उद्यमी और शिल्पकार के रूप में विकसित करने का यह एक बेहतर अवसर है। इस तरह के मेलों और प्रदर्शनियों में दिव्यांगजनों को स्टॉल निःशुल्क आवंटित किये जाते हैं ताकि अपनी प्रतिभा को बड़े शहर और बड़े मंच में प्रदर्शित कर सके।

इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि हम दिव्यांगजन को मूल्यवान मानव संसाधन मानते हैं और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय विकास कार्यसूची (एजेंडा) में दिव्यांगजनों के मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। उनका आदर्श वाक्य है सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास। हमारी सरकार समठा तथा सर्वमुखी विकास की दिशा में कार्य कर रही है ताकि दिव्यांगजन भी इस विकास की धारा में समान रूप से जुड़ सकें। इस अवसर पर सांसद रामचरण बोहरा ने कहा कि देश के संपूर्ण विकास में समाज के सभी वर्गों का योगदान आवश्यक है और हम सभी मिलजुल कर दिव्यांगजन और समाज के कमजोर तबके के विकास के लिए काम करते हुए देश को एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में ला सकते हैं।

संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार ने बताया कि कि भारत के लगभग 20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 100 दिव्यांग कारीगर/कलाकार और उद्यिमयों के उत्पाद मेले में देखने को मिलेंगे। साथ ही मेले में देश भर के स्वादिष्ट व्यंजन का स्वाद लिया जा सकता है।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पिता जी
श्री बृजकिशोर जी शर्मा
(एम.सी.एफ. रिटायर्ड रेलवे सेवा) का देहान्त मंगलवार, 27 जून, 2023 को हो गया है, जिनकी तीये की बैठक शुक्रवार, 30 जून, 2023 को सायं 4 से 5 बजे तक 'मीनू गार्डन' पार्क व्यू कॉलोनी, एन.बी.सी. स्टॉफ क्वार्टर्स के पीछे, हसनपुरा, खातीपुरा रोड़, जयपुर में रखी गई है।

शोकाकुल परिवार

आशा शर्मा (पत्नी)
सचिन शर्मा–जया शर्मा (पुत्र–पुत्रवधु)
मनीष जी–पूजा (बेटी–जंवाई), पूनम (पुत्री)
डिम्पी, कविशा (पौत्री), कंगना, काव्या (नातीन)
मोहनलालजी, राधेश्यामजी, नवल किशोरजी (भाई), अनिलजी, विजय, दीपक, राजू, शुभम (भतीजे) एवं समस्त शोकाकुल परिवारजन

सम्पर्क : 9829234826, 9829426056, 9829220975, 9828148241

तीये की बैठक

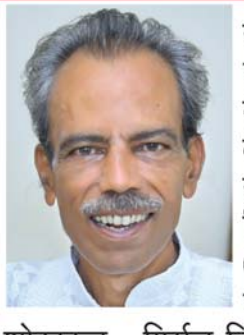

हमारे प्रिय श्री अशोक लहरी पुत्र स्व. श्री राज्य ज्योतिषि श्री बद्रीनारायण शर्मा (लहरी) का देहावसान दिनांक 28.6.2023 को हो गया है। तीये की बैठक आज दिनांक 30.6.2023 को सायं 5 से 6 बजे तक खण्डाका मैरिज गार्डन, पीतल फैक्ट्री जयपुर पर होगी।
शोकाकुल : गिर्राज बिहारी, डॉ कैलाश बिहारी, श्याम बिहारी, गिरधर बिहारी, मुकुट बिहारी (चाचा), कृष्ण बिहारी-कान्ता (भाई-भाभी), उमा-कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत), मधु-अजय (बहन-बहनोई), निशान्त-इन्द्रा (भतीजा-बहु), करण शर्मा (भान्जा) एवं समस्त रायसर परिवार मो. 9413488288, 9983323199, 9829264308

खोया-पाया

मेरे आवास फ्लैट संख्या-31/50/10, वरुण पथ मानसरोवर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें- कल्पना छिपा धर्मपत्नी योगेश कुमार छिपा। मो.- 9694474278

आम सूचना दिनांक 28.06.2023
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री रमेश नेहरा पुत्र श्री तुलसा राम, निवासी- 52/3, छावनी मोहल्ला, वार्ड नंबर 10, दौसा (राजस्थान) द्वारा श्री सतीश चन्द्र छाबड़ा पुत्र श्री रामस्वरूप छाबड़ा, निवासी- 201, मकान नंबर 246, गुरुनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर (राजस्थान) से उसके स्वामित्व व अधिपत्य की सम्पत्ति फ्लैट नंबर 201, सैकिण्ड फ्लौर, स्थित प्लाट नंबर 246, गुरुनानकपुरा, राजापार्क, आदर्श नगर, जयपुर (राजस्थान), जिसका कुल क्षेत्रफल 1301.56 वर्गफीट है को खरीद करने हेतु एच.डी.एफ.सी. लि. से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति को बंधक रखना चाहता है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को उक्त सम्पत्ति के खरीद/ बंधक से किसी भी प्रकार का कोई ऐतराज हो तो 7 दिवस के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता से लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सम्पर्क करे, बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी। भवदीय
(रामेश्वर सिंह राठौड़) एडवोकेट मो.नं. 9829256466

कार्यालय तहसीलदार-आमेर
क्रमांक/भू.अ./2023/1376 (जयपुर) दि. 28.6.2023
आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम आमेर के खसरा नम्बर 6788 रकबा 0.30 हेक्टेअर व अन्य भूमि में दर्ज मृतक भौरिया पुत्र रामनाथ जाति माली की विरासत का नामान्तकरण पंजीकृत गोदनामा जो उप पंजीयक आमेर के कार्यालय में क्रम सं. 2005000374 दि. 19.9.2005 पर प्रार्थी रूपनारायण पुत्र मोहनलाल सैनी निवासी–आमेर के हक में पंजीकृत है, के आधार पर खोला जाना है। जो इस कार्यालय में विचाराधीन है, जिस पर किसी को कोई आपत्ति हो तो नोटिस प्रकाशन के 7 दिवस में अपनी आपत्ति पेश करें। समयावधि के पश्चात प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही की जावेगी। सूचित रहें। तहसीलदार भू.अ. आमेर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि जे.डी.ए की विधाधर नगर योजना सेक्टर नम्बर 2 में प्लाट निम्बर 2/76 का मूल आंवटन पत्र नम्बर एफ-3(2/76/JDA/CRO/VDN/87 जो कि बसन्त लाल पुत्र श्री तेजुमल के नाम से है, वो खो गया है। जिसकी पुलिस रिपोर्ट LR no. 1850953/2023 दिनांक 27.6.2023 को दर्ज करा दी गयी है उक्त सम्पति के लिये श्री अशोक कुमार टांक पुत्र श्री बनवारी लाल ने SBI में ऋण हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई एतराज या आपत्ति हो तो आज से 7 दिवस के अन्दर संम्पर्क करें। मूल आंवटन पत्र मिलने पर सूचित करे।
भोली देवी, (मो.) 9929095642

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि. जयपुर
5 वीं व 6 ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन
22 गोदाम सर्किल जयपुर
Phone : 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-73/23 आम सूचना दिनांक-28.6.2023
आवासन संघ की आवासीय योजना सहयोग अपार्टमेंट विद्याधर नगर, जयपुर का फ्लेट संख्या-टी-2-22- एएफएफ, श्री सुमेरमल भुतोड़िया को आवंटित किया गया था। श्री सुमेरमल भुतोड़िया के द्वारा उनकी पुत्र वधु श्रीमती साधना भुतोड़िया के पक्ष में किये गये वसीयतनामे की प्रति एवं श्री सुमेरमल तथा उनकी पत्नि श्रीमती निर्मला भुतोड़िया के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लेट अपने नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त फ्लेट पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त फ्लेट संख्या-टी-2-22-एएफएफ, श्रीमती साधना भुतोड़िया के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
ज्योति गुप्ता, प्रबंध निदेशक

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि. जयपुर
5 वीं व 6 ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन
22 गोदाम सर्किल जयपुर
Phone : 0141-2741805, E-mail: rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-74/23 आम सूचना दिनांक-28.6.2023
आवासन संघ की आवासीय योजना सहयोग अपार्टमेंट विद्याधर नगर, जयपुर का फ्लेट संख्या-टी-2-51-एजीएफ, श्रीमती रायकंवरी भुतोड़िया को आवंटित किया गया था। श्रीमती रायकंवरी भुतोड़िया के द्वारा उनके पुत्र श्री राजेन्द्र भुतोड़िया के पक्ष में किये गये वसीयतनामे की प्रति एवं श्रीमती रायकंवरी भुतोड़िया एवं उनके पति श्री भंवर लाल भुतोड़िया के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त फ्लेट अपने नाम ट्रांसफर कराने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त फ्लेट पर आपत्ति हो तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त फ्लेट संख्या-टी-2-51- एजीएफ, श्री राजेन्द्र भुतोड़िया के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा।
ज्योति गुप्ता, प्रबंध निदेशक

NAME CHANGE

I have changed my name from Girish Kumar Agarwal to Girish Agarwal. Im known me Girish Agarwal S/o Rajesh Agarwal R/o Plot No. 36 Century Homes, Patrakar Colony, Near SBI Bank, Mansarovar, Jaipur 302020

I RAJWATI BHAWARIA, spouse of BABU LAL BHAWARIA resident of Vill/Post- Govindpura, Via-Palsana, Dist.-Sikar(Raj) have changed my Name from RAJWATI BHAWARIA to RAJWATI KUMARI vide Affidavit no. 2114 dated 27/06/2023 before amer court, Jaipur

I Naveen Kumar S/O bhanwar lal Mali R/O 6 Shri Ram kallawada shyosinghpura near Radha Krishna Mandir vatika sanganer have changed my name From NAVEEN KUMAR To NAVEEN SAINI .in future called me NAVEEN SAINI for all purposes

मैं प्रीती फौजदार पुत्री श्री सुखवीर सिंह निवासी 44 आर के पुरम कॉलोनी खातीपुरा जयपुर यह सूचित करती हूं कि विवाहोपरांत मेरा नाम परिवर्तित कर प्रीती फौजदार से प्रीती चौधरी धर्मपत्नी दयाल सिंह चौधरी कर दिया है। तथा भविष्य में मुझे प्रीती चौधरी के नाम से ही जाना जावे।